उज्बेकिस्तान गणराज्य के राजदूत, महामहिम श्री दिलशोद अखातोव ने लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला से भेंट की

भारत और उज़्बेकिस्तान मित्र और रणनीतिक साझेदार हैं: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला

भारत और उज़्बेकिस्तान के बीच पर्यटन, कृषि, स्वास्थ्य और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने की अपार संभावना है।

भारत और उज्बेकिस्तान का वर्तमान संयुक्त सैन्य अभ्यास 'दुस्तलिक-II' हमारे संबंधों का महत्वपूर्ण पड़ाव है: लोक सभा अध्यक्ष

श्री बिरला ने संसदीय राजनय को बढ़ावा देने के लिए लोकतांत्रिक देशों के बीच संवाद और सर्वोत्तम पद्धतियों और प्रक्रियाओं के आदान-प्रदान पर बल दिया

नई दिल्ली, 16 मार्च, 2021: उज्बेकिस्तान गणराज्य के राजदूत, महामहिम श्री दिलशोद अखातोव ने आज संसद भवन में लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला से भेंट की।

श्री दिलशोद अखातोव का स्वागत करते हुए श्री बिरला ने भारत और उज्बेकिस्तान के बीच गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच मैत्री संबंध हैं और दोनों देश रणनीतिक साझेदार भी हैं। श्री बिरला ने यह भी कहा कि विगत वर्षों में भारत और उज्बेकिस्तान के बीच राजनीति, व्यापार, संस्कृति, विज्ञान, मानवता, रक्षा और शिक्षा के क्षेत्रों के बीच सहयोग में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2015 और 2016 में माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी की उज्बेकिस्तान यात्राओं तथा अक्टूबर, 2018 और जनवरी, 2019 में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति, महामहिम श्री शावकत मिर्ज़ियोएव की भारत यात्रा के बाद दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी बढ़ी है।

श्री बिरला ने संसदीय राजनय को बढ़ावा देने के लिए लोकतांत्रिक देशों के बीच संवाद तथा सर्वोत्तम पद्धतियों के आदान-प्रदान पर जोर दिया। इस संबंध में श्री बिरला ने उजबेक संसद की ओली मजलिस के चेयरमैन द्वारा उन्हें उज्बेकिस्तान की यात्रा का निमंत्रण भेजे जाने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

श्री बिरला ने यह भी कहा कि दोनों देशों की संसदें द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए कार्य कर रही हैं। उन्हें यह जानकर भी प्रसन्नता हुई कि उजबेक संसद के दोनों सदनों में भारत मैत्री ग्रुप का गठन किया गया है। श्री बिरला ने यह जानकारी भी दी कि हमारी संसद में उज़्बेकिस्तान के लिए संसदीय मैत्री ग्रुप के गठन के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है तथा हमारी संसद द्वारा अन्य मित्र देशों के साथ मैत्री ग्रुप के गठन के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

संसदों के क्षमता निर्माण के बारे में लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग किया जा रहा है। श्री बिरला ने पर्यटन, कृषि, स्वास्थ्य और नवीकरणीय ऊर्जा के मुद्दों

के बारे में बात करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने की अपार संभावना है। उन्होंने इस बात का उल्लेख भी किया कि ईरान में चाबहार पतन के माध्यम से और उज़्बेकिस्तान के इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का भाग होने के फलस्वरूप भविष्य में भारत और उज्बेकिस्तान तथा पूरे मध्य एशिया के बीच बेहतर कनेक्टिविटी होगी।

दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग के बारे में बात करते हुए श्री बिरला ने कहा कि उत्तराखंड में किया जा रहा वर्तमान भारत-उज़्बेकिस्तान संयुक्त सैन्य अभ्यास दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग का महत्वपूर्ण पड़ाव है।